

operations, ensuring avoidance of unemployment consequent upon closure of industries etc. Banks generally take care to see that in granting these advances their profitability is not unduly eroded.

(c) and (d). All new branches of commercial banks including rural branches require a certain gestation period and take some time to break-even. This period is not uniform and varies from branch to branch depending on the potential of banking business in the area of its operation. The banks also usually draw up their branch expansion programme in such a way that while meeting the social objectives of reaching the rural areas, their initial losses are minimised.

#### Unemployed Trained Pilots

876. SHRI R. MOHANARANGAM: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state :

(a) the number of fully trained but unemployed Pilots in the country ;

(b) the periods for which the Pilots have been idle ;

(c) whether it is a fact that want of trained Pilots has been adduced as one of the factors for disruption in the flight schedules of Indian Airlines ; and

(d) if so, how do Government reconcile this factor with the existence of a large number of trained but unemployed Pilots ?

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI PURUSHOTTAM KAUSHIK) : (a) As per data available, the total number of unemployed Pilots is estimated to be 178.

(b) Precise information is not available in this regard.

(c) No, Sir.

(d) Does not arise.

#### Creation of Disney Wonder Land in Madras

877. SHRI R. MOHAN RANGAM : Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state :

(a) particulars of the proposed scheme in Tamil Nadu to create a Disney Wonder-land in Madras ;

(b) the potentialities of the scheme for tourist attraction ; and

(c) the extent of assistance, physical and monetary, proposed by the Centre for implementation of the scheme ?

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI PURUSHOTTAM KAUSHIK) : (a) No such proposal has been received from the State Government, nor such a scheme is under the consideration of the Central Government.

(b) and (c). Do not arise.

#### बिक्री कर समाप्त करने के लिए शासन

878. श्री उषा झाई मावित : क्या उच्च प्रधानमंत्री तथा वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या कुछ राज्य सरकारों प्रथम राजनीतिक दलों से कुछ शासन प्राप्त हुये हैं जिसमें बिक्री कर समाप्त करने की मांग की गई है ;

(ख) यदि हां, तो उन्होंने उनकी मांग के समर्थन में क्या बातें कही हैं ; और

(ग) उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सतीश प्रसन्न) : (क) और (ख) . केन्द्रीय सरकार को व्यापारियों से बहुत सी ऐसी बरख्वास्तें मिली हैं जिनमें बिक्री कर को समाप्त करके उसके स्थान पर उत्पादन शुल्क लगाने का सुझाव दिया गया है इनमें से कुछ बरख्वास्तें सरकार को जनता पार्टी के द्वारा भेजी गयी थीं। इन बरख्वास्तों में, मांग के समर्थन में मुख्य तर्क यह है कि जनता पार्टी ने अपने चुनाव घोषणा-पत्र में बिक्री कर को समाप्त करने का वादा किया था।

कार्यकारी पार्षद, दिल्ली ने भी महानगर परिषद, दिल्ली द्वारा पारित एक संकल्प भेजा था जिसमें बिक्री कर के स्थान पर प्रतिरिक्त उत्पादन-शुल्क लगाने और दिल्ली सभ राज्य क्षेत्र को इस प्रकार के प्रतिरिक्त उत्पादन शुल्क से, इसकी बिक्री कर की वसूली के बराबर की रकम का प्रावधान करने की सिफारिश की गयी है।

(ग) अल्पसंख्यक कराधान आंच समिति द्वारा की गई सिफारिश के अनुसार, बिक्री कर के स्थान पर प्रतिरिक्त शुल्क लगाने की योजना को सीमेंट, धौबधियों, बनस्पति और पेट्रोलियम उत्पादों जैसी कुछ प्रतिबाध्य वस्तुओं पर लागू करने के प्रश्न पर सबसे अन्तिम बार विचार 19 और 20 मई, 1979 को हुई राश्यों के मुख्य मंत्रियों की बैठक में किया गया था। इस प्रस्ताव का राज्यों में बड़े बहुमत से विरोध किया था। क्योंकि संविधान के अनुसूचर किसी राज्य में बिक्री प्रथम श्रेणी पर कर लगाने का धामला राज्यों के कराधान का विषय है, अतः इसके विषे बिक्री कर के स्थान पर उत्पादन-शुल्क लगाने का कार्य राज्य सरकारों की सहमति के बिना नहीं किया जा सकता है।